

सुखी जीवन बनाने के उपाय

१. बार-बार अशरीरी बनने की प्रैक्टिस करना
२. आत्मिक स्थिति में स्थित रहने का अभ्यास
३. आत्मिक दृष्टि से देखने की आदत डालना
४. देह में रहते विदेही स्थिति का अनुभव करना
५. मन में श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ संकल्पों का संग्रहण करना
६. अपने महान लक्ष्य को स्मृति में रख निरंतर पुरुषार्थ करना
७. सर्वशक्तिवान बाप से प्राप्त सर्वशक्तियों की अनुभूति में रहना
८. ईश्वरीय मर्यादाओं का सच्चाई से पालना करना
९. थोड़ा-थोड़ा समय निकालकर योगबल जमा करने का शौक रखना
१०. बापदादा के वरदानी हाथों को अपने सिर पर घुमाने की अनुभूति में रहना
११. हर कर्म हल्का होकर करते कर्म और योग का बैलेन्स रखना
१२. दुःखी, अशान्त, रोगी, भटकती, तड़फती आत्माओं को सकाश देना
१३. अपने दैवी संस्कारों की धारणानुसार व्यवहारिकता में आना
१४. मुरली सुनते समय आनंदमय स्थिति में रहना
१५. मैं परम पवित्र आत्मा हूं के स्वमान में स्थित रहना
१६. समर्पणबुद्धि होकर हर सेवा के फल को बाबा के आगे समर्पित करना
१७. सम्बन्ध-सम्पर्क में आते सरलता व मिलनसार रहना
१८. हर आत्मा के प्रति शुभ भावना व शुभ कामना रखना
१९. पवित्रता के वायब्रेशन फैलाकर वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाना
२०. संगमयुग के महत्व को जान हर सेकण्ड को सफल करना
२१. साधनों का प्रयोग करते भी साधना को बढ़ाते रहना
२२. रोज किसी न किसी को ज्ञान का दान करना
२३. अविनाशी ज्ञान रतनों का विचार सागर मंथन करना
२४. उदास व निराश आत्माओं को खुशी के वायब्रेशन देना
२५. हर रोज प्रकृति के पांचों तत्वों को सकाश देना।

ओम् शान्ति